दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 213
मुरादाबाद
(Tuesday)
24 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अब एक ट्रैक पर राम-जानकी की नगरीः पीएम मोदी बोले- सांसद एसपी सिंह बोले- धर्म का ढोंग करती है भाजपा, कावड़ यात्रा में लोग भांग खाकर करते हैं उपद्रव

नेपाल के बिना राम अधूरे, पुनर्निर्माण के लिए खोला खजाना

24000 करोड़ नेपाली रुपये की मदद देगा भारत; आठ क्षेत्रों में हुए अहम समझौते?





अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच ऐतिहासिक %सरयू-कमला एक्सप्रेस% का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वर्चुअली शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने नेपाल के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक विकास के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये के विकास सहयोग पैकेज सहित ऊर्जा, सड़क व सीमा कनेक्टिविटी परियोजनाओं को गति देने की बड़ी घोषणा की। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच अब सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने सोमवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का भारत में स्वागत किया। पद संभालने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। दोनों नेताओं के बीच नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बातचीत हुई। इसके बाद उन्होंने संयुक्त बयान दिया। पीएम मोदी ने अगस्त में नेपाल में आई भीषण बाढ़ में लोगों की मौत पर दुख जताया। साथ ही मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।बालेन शाह की यात्रा के दौरान भारत और नेपाल ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते कई अहम क्षेत्रों से जुड़े हैं। इनमें अंतरिक्ष तकनीक, सुरक्षा प्रशिक्षण, सरकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, टिकाऊ शहरी विकास और कृषि शामिल हैं। अंतरिक्ष और संचार के क्षेत्र में क्या हुआ?-भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के बीच समझौता हुआ। इसका मकसद दक्षिण एशिया उपग्रह के इस्तेमाल के लिए उपग्रह संचार नेटवर्क बनाना है। पुलिस और फॉरेंसिक विज्ञान में क्या सहयोग होगा?-इस क्षेत्र में दो समझौते हुए। पहला समझौता गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और नेपाल पुलिस के अपराध जांच विभाग के बीच हुआ। इसका मकसद पढ़ाई और शोध में सहयोग बढ़ाना है। दूसरा समझौता भारत के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और नेपाल की राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के बीच हुआ।

सरकारी कर्मचारियों को कैसे मिलेगा प्रशिक्षण?-भारत के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के तहत राष्ट्रीय सुशासन केंद्र ने नेपाल के प्रशासनिक कर्मचारी कॉलेज के साथ समझौता किया। नेपाल का यह कॉलेज वहां के संघीय मामलों और सामान्य प्रशासन मंत्रालय के तहत आता है। इस समझौते का मकसद नेपाल के सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना है। इससे उनकी काम करने की क्षमता बढ़ाई जाएगी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में कौन से समझौते हुए?-दोनों देशों ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में दो समझौते किए। पहला समझौता भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और नेपाल के स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के बीच हुआ। इसका मकसद स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है। दूसरा समझौता आयुर्वेद और चिकित्सा की अन्य पारंपरिक पद्धतियों से जुड़ा है। शहरी विकास और पशुपालन में क्या होगा?-दोनों देशों ने टिकाऊ शहरी विकास के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग का समझौता किया। इसके अलावा पशुपालन और मत्स्य पालन के विकास में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।छह बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत भी हुई- दोनों नेताओं ने सीमा पार संपर्क, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे से जुड़ी छह बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की। कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। वहीं, कुछ की आधारशिला रखी गई।कौन सी रेल सेवा शुरू हुई? दोनों नेताओं ने सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ किया। यह सेवा भारत के अयोध्या और नेपाल के जनकपुर को जोड़ेगी। इससे दोनों देशों के बीच रेल संपर्क बेहतर होगा। सांस्कृतिक जुड़ाव को भी बढ़ावा मिलेगा।धारचूला और दार्चुला के बीच पुल का उद्घाटन-सीमा पर सड़क और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक नए पुल का उद्घाटन किया गया। यह पुल भारत के धारचूला को नेपाल के दार्चुला से जोड़ेगा। इस पर मोटर वाहन भी चल सकेंगे। इसके अलावा बनबसा में नए एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला रखी गई। दोनों नेताओं ने भैरहवा, सुनौली और दोधारा चांदनी में बन रही एकीकृत जांच चौकियों के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और नेपाल के रिश्तों को नई ऊंचाई देने का संकल्प दोहराते हुए नेपाल के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक विकास के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये के विकास सहयोग पैकेज की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, साझा संस्कृति और आत्मीयता का रिश्ता है। दोनों देश एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। नेपाल के बिना राम अधूरे हैं।प्रधानमंत्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की दूरदर्शिता और उनके विजन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों की बातचीत में उन्हें नेपाल के भविष्य और भारत-नेपाल संबंधों को लेकर बालेंद्र शाह के स्पष्ट विजन और प्रतिबद्धता की झलक देखने को मिली है। उनका विजन नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और उम्मीदों को दर्शाता है।नेपाल के पुनर्निर्माण के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये का पैकेज-प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेपाल के लिए भारत गहरी संवेदना रखता है। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाना और वहां के दीर्घकालिक विकास को मजबूती देना भारत का संकल्प है। इसी दिशा में 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये का विकास सहयोग पैकेज दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत का प्रयास होगा कि प्रभावित परिवारों के जीवन में फिर से खुशहाली लौटे, नए अवसर पैदा हों और भविष्य में आने वाली आपदाओं से निपटने के लिए नेपाल की क्षमता भी मजबूत हो।

राम-जानकी की आस्था को जोड़ रही सरयू-कमला एक्सप्रेस

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों का आधार इतिहास, संस्कृति और लोगों के बीच गहरे आत्मीय रिश्ते हैं। भगवान श्रीराम और माता सीता दोनों देशों की साझा आस्था और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए देश-दुनिया से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार, अब तक करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं ने अयोध्या की यात्रा की है। सरयू-कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ से इस पवित्र रिश्ते को नया आयाम मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल दोनों देशों के बीच आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। अयोध्या और जनकपुर के बीच शुरू हुई यह रेल सेवा धार्मिक पर्यटन के साथ दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क को भी बढ़ाएगी।उत्तराखंड और नेपाल के बीच चेकपोस्ट का काम होगा तेज- प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड और नेपाल के बीच इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का काम भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही अधिक सुविधाजनक होगी।उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य राज्यों को नेपाल से जोड़ने वाली सड़क, रेल और सीमा कनेक्टिविटी परियोजनाओं को भी नई गति दी जाएगी। व्यापार को आसान बनाने के लिए आवश्यक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा। जलविद्युत परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाएगा भारत-पीएम मोदी ने नेपाल की नदियों में स्वच्छ ऊर्जा की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की विशाल ऊर्जा जरूरतें नेपाल की आर्थिक प्रगति का आधार बन सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

हनुमानगढ़ी में माथा टेक रामलला के दरबार पहुंचे सीएम योगी, मांगी प्रदेश की खुशहाली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को सरयू-कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या पहुंचे। कार्यक्रम से पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी में आरती उतारी और रामलला के दरबार में साष्टांग दंडवत होकर प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर रामनगरी पहुंचे। रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर आगमन के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे। उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन-पूजन किया और आरती उतारकर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। दरअसल, वह अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच शुरू होने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रामनगरी पहुंचे थे। रामलला के चरणों में किया साष्टांग दंडवत- हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीरामलला के दर्शन किए। मंदिर में साष्टांग दंडवत होकर प्रभु के चरणों में शीश नवाया और देश-प्रदेशवासियों के कल्याण, सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और आमजन का मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

ढोंग करती है भाजपा, कावड़ यात्रा में लोग भांग खाकर करते हैं उपद्रव



रूझिहई स्थित रामनाथ इंटर कालेज में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित पीडीए स्वाभिमान सम्मेलन में प्रतापगढ़ के सांसद एसपी सिंह पटेल ने हमला बोला। बीजेपी पूजा पाठ धार्मिक अनुष्ठान के ढोंग करती है। वो धर्म की रोटी खाते हैं और भगवान का अपमान करते हैं। इनके लिए धर्म मखौल बन कर रह गया है। हमारे लिए धर्म आस्था का विषय है। यह आरोप क्षेत्र के ग्राम रूझिहई स्थित रामनाथ इंटर कालेज में सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव नीतिन पटेल द्वारा मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित पीडीए स्वाभिमान सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रतापगढ़ के सांसद एसपी सिंह पटेल ने लगाए। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा में लोग शराब, गांजा भांग खाकर उपद्रव करते हैं, दुकान लूटते है और तो और यह स्कूली बच्चों की वैन व पुलिस पर भी हमला करने का काम करते हैं। मेरा मानना है कि पूजा आप घर और आसपास के मंदिरों में करें। यात्रा आदि के जरिये केवल ढोंग ही कर रहे हैं। बीजेपी धर्म की बात करेगी पर किसान युवा बेरोजगारी, महंगाई की बात नहीं करेगी। मौतों व घटना, दुर्घटना को भी इवेंट बना कर जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। इनकी सारी योजनाएं अदानी व अंबानी के लिए ही बनती हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद श्रावस्ती राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि सरकार व चुनाव आयोग मिले हुए हैं। आपका वोट काट रहे हैं। सरकार बेरोजगारों, किसानों, युवाओं का शोषण व सबको डराने का कार्य कर रही है। यह चढ़ावा चोरी करने वाली सरकार शिक्षा व्यवस्था को गर्त में ढकेल रही है। पूर्व एमएलसी व प्रवक्ता सुनील साजन ने कहा कि आजकल कथाओं का दौर चल रहा है। यह भाजपा व उनके लोग भगवान व धर्म कथाये नहीं करा रहे हैं। अपनी कथाएं करा रहे हैं। भाजपा के लिए धर्म धंधा है।

परिसीमन पर सरकार का क्या है प्लान?: जयराम रमेश ने पीएम मोदी-शाह से पूछा सवाल;शीतकालीन सत्र पर भी घेरा



संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखों का एलान अब तक क्यों नहीं हुआ? परिसीमन को लेकर सरकार की क्या योजना है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इन सवालों पर केंद्र को घेरा है। यही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए उन्हें जीटीए सितारे बताया।कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र की तारीख का एलान करने में हो रही देरी पर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार के प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया पर भी जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी अपने ही झूठे दावों और बड़ी-बड़ी बातों में फंस गई है।रमेश ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने संसद के सत्रों को लेकर जारी असमंजस की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने परिसीमन को लेकर सरकार की योजना पर भी जवाब मांगा। उन्होंने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली सरकार के पास कोई स्पष्ट योजना है?कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा, अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा। अब तक देश को यह भी पता चल जाना चाहिए था कि मानसून सत्र दोबारा कब बुलाया जाएगा। इस सत्र का यह मानते हुए अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है कि इसे दोबारा बुलाया जाना है।रमेश ने कहा, अब जब देश ने लोकसभा में बेहद दागदार दो-तिहाई बहुमत जुटाने के लिए इस जोड़ी की बेताब कोशिशों को देख लिया है,

जनता दर्शनः बेटा, पढ़-लिखकर प्रिंस बनो, क्रिकेट में भी एडमिशन करवा देंगेः;योगी ने 8वीं के छात्र को दिया भरोसा



गोंडा के आठवीं कक्षा के छात्र प्रिंस साहू ने जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ से क्रिकेट कोचिंग और आर्थिक मदद की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की सलाह देते हुए क्रिकेट कोचिंग में दाखिले और आर्थिक सहायता का भरोसा दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को जनता दर्शन में एक अलग अंदाज में नजर आए। फरियादियों की समस्याएं सुनने के दौरान उनकी मुलाकात गोंडा से आए कक्षा आठ के छात्र प्रिंस साहू से हुई। प्रिंस ने मुख्यमंत्री से क्रिकेट खेलने के लिए आर्थिक मदद और कोचिंग की व्यवस्था कराने की गुहार लगाई। बच्चे की क्रिकेट के प्रति दीवानगी देखकर मुख्यमंत्री ने अभिभावक की भूमिका निभाई और करीब चार से पांच मिनट तक उसकी काउंसलिंग की। मुख्यमंत्री ने प्रिंस से कहा, बेटा, तुम्हारा नाम प्रिंस है, इसलिए पढ़-लिखकर प्रिंस बनो। हम क्रिकेट में भी तुम्हारा एडमिशन करवा देंगे। उन्होंने बच्चे को भरोसा दिलाया कि उसकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता और क्रिकेट कोचिंग की व्यवस्था भी कराई जाएगी।क्रिकेट का जुनून, लेकिन आर्थिक तंगी बन रही थी बाधा गोंडा जिले के इटियाथोक क्षेत्र के पड़री पारासराय गांव निवासी प्रिंस साहू कक्षा आठ का छात्र है। उसे बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक है। वह क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहता है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसके सपनों के सामने मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। प्रिंस के मुताबिक, आर्थिक तंगी के चलते परिवार क्रिकेट की फीस भरने और जरूरी किट खरीदने में सक्षम नहीं है।

संपादकीय Editorial

The Prime Minister's candid remarks

It is surprising that while all the key pillars of the Indian economy are strong, our industry is not showing the required activism to achieve the goal of self-reliance. The Prime Minister directly questioned the industry at FICCI.

He called for an emphasis on Swadeshi and job creation. He urged Indian industries to prepare for global competition. Prime Minister Narendra Modi,

speaking directly to business representatives at the inauguration of the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry's (FICCI) Annual General Meeting and Annual Conference, in a way, held a mirror to them, which was not only necessary but also essential. It was good that he posed some pointed questions to entrepreneurs, inspiring them to introspect and prepare for a comprehensive change in their attitudes and behaviors.

He questioned entrepreneurs as to why they had to repeatedly reiterate the need to move towards Swadeshi, as this was precisely what Mahatma Gandhi had said almost a hundred years ago.

He also questioned whether the corporate world has received numerous tax concessions, but have they increased the number of jobs and also provided the required salary increases for their employees? These are questions the industry cannot ignore.

It was also good that the Prime Minister bluntly stated that India, known as the pharmacy of the world, still imports billions of dollars worth of sophisticated pharmaceutical ingredients, or APIs. He also rightly questioned the need to import refined steel, specialized aluminum, alloys, and other products.

He also reminded the industry once again that how long will they be satisfied with the domestic market? If India truly wants to become an economic powerhouse, Indian entrepreneurs must meet global competition by enhancing the quality of their products. This is certainly being delayed, and the industry itself is responsible for this, as the government cannot do its part.

Now that the Prime Minister has once again stated that the industry should feel free to share its suggestions on economic reforms with the government, where is the problem? It is a fact that Indian industry is not emerging from its comfort zone, and as a result, Indian products are not making their mark in the global market, while dependence on Chinese imports is showing no signs of decreasing.

It is surprising that while all the major pillars of the Indian economy are strong, our industry is not showing the required activism to achieve the goal of self-reliance. They must understand that not taking advantage of the favorable conditions available for economic development is akin to a missed opportunity.

Congress Repeating Old Mistakes

Is Congress, instead of empowering citizens, seeking solace in the same appeasement that has held it back before? Congress's appeasement is a reliance on vote banks rather than empowerment.

Weak organization and a dwindling support base fueled appeasement. The BJP's model of development, cultural identity, and support for all. While Sonia Gandhi wrote in her memoir that she cried watching the demolition of the Babri Masjid on TV, Congress President Mallikarjun Kharge, while wishing journalists a Happy Diwali, called it a "Happy Eid." Is Congress, instead of empowering citizens, seeking solace in the same appeasement that has held it back before? Ensuring the safety, religious freedom, and equal opportunity of minorities is a democracy's duty. Appeasement is different. It begins when the displeasure of a religious leader takes precedence over the rights of citizens. This trend is anti-democratic because it transforms independent citizens into bound vote banks. The primary reason for this is the Congress's crumbling social base.The rise of new leadership from backward and Dalit communities and regional parties has challenged the old structure of the Congress party. It should have strengthened its organization and brought new leadership to the forefront, but its leaders found it convenient to leverage religious identity as a shortcut to garner support. A dwindling support base has increased the temptation to consider minority support as a last resort. Another reason is organizational weakness. A strong party speaks directly to families, youth, and workers. A weak organization relies on influential intermediaries. This is the risk that has increased in Congress politics: cultivating a few religious figures becomes a substitute for understanding the aspirations of the entire community. This strengthens influential intermediaries rather than ordinary Muslim citizens. Another reason is competition from regional parties for Muslim support.

Indian Muslims are not homogeneous. They include the poor, the affluent, women, the youth, and the Pasmanda community, all of whom have different needs. Addressing them solely through religious identity is a denial of their diversity. Expecting a uniform vote doesn't respect their independent understanding. Addressing genuine grievances of discrimination and insecurity is essential, but exploiting them permanently for political gain is not the solution. The promise of security should make citizens independent, not captive to any party. The Shah Bano case is a clear example of this. After justice was awarded to an elderly Muslim woman, the Rajiv Gandhi government, under pressure from conservative religious groups, enacted a separate law. The message of this decision was that the consent of religious leadership was more important than women's rights. Minorities pay the price for appeasement. Muslim daughters need education, safe transportation, and jobs. Youth need skills, loans for entrepreneurship, and fair recruitment. Shopkeepers need electricity, roads, and security. Debates over religious sentiments are no substitute for these needs. How can politics be progressive if it makes citizens dependent on patronage rather than providing opportunities? Citizens choose leaders of their choice, not an arbiter who controls their votes. Not listening to the voices of women and youth demanding reforms for fear of angering conservatives is contrary to democracy. Being a minority is not a citizen's sole identity. Believing this to be the case limits their rights and aspirations.

This same imbalance is evident in dialogue with Hindu society. The memory of historical attacks on religious sites deserves respect, but today's Muslims cannot be blamed for the past. Hesitation in naturally respecting Hindu faith is also unjustified. It's not necessary to explain Diwali in the same language as other religious festivals. Every tradition can be respected with its own identity.

Condemning the demolition of the Ayodhya structure and welcoming the temple after a judicial resolution are not contradictory. The problem is seeing Hindu faith and Muslim rights as being in permanent conflict. If the Congress views every cultural issue through the lens of support or opposition to the BJP, it will lose communication with society. The opposition should demand answers from the government, not distance itself from society's faith.

Not all the reasons for the Congress's declining influence can be traced to appeasement, but the more it relies on selective religious symbols, the greater the risk of alienating the broader Hindu electorate. Declining support will only increase its dependence on that path. In this vicious cycle, neither a national alternative is created nor the empowerment of minorities. This is regressive politics, because in the concern for preserving support, the progress of citizens is left behind.

The Congress's weakness created an opportunity for the BJP. Its rise was not merely a reaction. Since 2014, Narendra Modi has linked cultural self-confidence with the politics of development, welfare of the poor, and aspirations. Yogi Adityanath has taken this forward in Uttar Pradesh since 2017. Its success has been in uniting various castes and disadvantaged groups within a broad Hindu social coalition. The strength of Modi and Yogi's Hindutva model lies in its insistence on non-discriminatory development with cultural identity. Eligibility for rations, housing, bank accounts, and health care should be based on need, not sect or religion. Modi's "Sabka Saath, Sabka Vikas" (with all, development for all) and Yogi's emphasis on providing benefits without discrimination present this criterion. Muslims should receive the rights of citizens, not the favor of political patrons.

There is a difference between appeasement and empowerment. The former treats communities as vote banks, while the latter provides opportunities to individuals. Modi and Yogi have challenged Congress politics with an agenda of broad social participation and development. The democratic principles of this model Power is both the faith of the majority and equal rights for every citizen. Respect for culture, equality before the law, and universal participation in development are the path to a more inclusive, empowered India.

Biased US Commission

The US Commission on International Religious Freedom (USCIRF) demonstrated its bias against India by spreading false propaganda about removing Muslim voters from the rolls. The USCIRF demonstrated its biased and politically motivated approach against India. The USCIRF's propaganda was spread to remove Muslims from the voter rolls. India should expose the USCIRF's misdeeds on international platforms. The US Commission on International Religious Freedom (USCIRF) has once again demonstrated its biased and deeply biased approach towards India. This time, it fueled the propaganda of some opposition parties that Muslims are being removed from the voter rolls under the Voter Roll Cleansing (SIR) program and are being deported from the country by branding them as foreigners. The Indian Foreign Ministry spokesperson rightly stated that the USCIRF is not only biased, but its agenda is entirely politically motivated, and such an organization should not be taken seriously. It would be appropriate for India not to limit itself to merely stating this, but also to expose the mischievous actions of this supposedly impartial commission. This must be done because ever since Pakistani-born Asif Mahmood became the head of this commission, it has been increasingly demonstrating its ill will towards India. Sometimes it recommends a ban on the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) and the intelligence agency RAW, and sometimes it supports Sharjeel Imam, who advocates for the separation of the Northeast from India, claiming that he has been detained for advocating religious freedom. What is this if not the height of shamelessness?

The biased US commission considers India a country of particular concern regarding religious freedom, despite the fact that the Muslim population here is the fastest-growing country, according to the latest Pew Research survey. It is also a fact that Muslims constitute a large majority of those benefiting from the Modi government's welfare schemes. Since the US commission is interfering in India's internal affairs, the Indian Foreign Ministry should not hesitate to highlight on international forums that this commission, firstly, does not include a single Hindu or Buddhist, and secondly, it is overwhelmingly dominated by individuals known for lobbying.

Some have been in the news for their radical religious views. India should also reiterate that this commission bases its assessments on questionable sources rather than objective facts. Whilecommission's recommendations are not binding on the US government, it cannot be ignored that they serve the overall US foreign policy agenda. Evidence of this is that the commission does not issue any report on the state of religious freedom in America, where sometimes Black people and sometimes Indians are targeted.

ठाकुरद्वारा में तेज रफ्तार डंपर ने महिला को कुचला, लोगों ने लगाया जाम, वाहन में तोड़फोड़



ठाकुरद्वारा के स्योहारा मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर आमना की मौत हो गई। आक्रोशित लोगों ने जाम लगाकर डंपर में तोड़फोड़ की और दिन में भारी वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की।

करीब डेढ़ घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन पर जाम खुलास्योहारा मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रही महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने डंपर में तोड़फोड़ की और नगर क्षेत्र में दिन के समय बड़े वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग को लेकर अड़ गई।करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे से मार्ग पर यातायात बाधित रहा। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव सहसपुरी निवासी आमना (35) पत्नी नाजिम सोमवार को ठाकुरद्वारा नगर में मुस्लिम इंटर कॉलेज के पास डॉक्टर के यहां दवाई लेने आई थीं।इसी दौरान वह सड़क पार कर रही थीं। तभी तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर के पहिये महिला के ऊपर से गुजर गए। हादसा इतना भीषण था कि आमना की मौके पर ही मौत हो गई।महिला की मौत की खबर मिलते ही आसपास के लोग और स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने स्योहारा मार्ग पर जाम लगा दिया और डंपर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। लोगों का कहना था कि नगर क्षेत्र में दिन के समय डंपर और भारी वाहनों के संचालन के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन बार-बार मांग उठाने के बावजूद पुलिस-प्रशासन की ओर से दिन में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक नहीं लगाई जा रही है। प्रदर्शनकारी दिन के समय नगर क्षेत्र में डंपर और बड़े वाहनों का संचालन पूरी तरह बंद कराने की मांग पर अड़े रहे।

सूचना पर एसडीएम अंजनी कुमार मिश्रा और सीओ आशीष प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।उन्होंने जल्द ही डंपर चालक को गिरफ्तार करने की बात कही। इसके बाद लोगों ने जाम खोला। करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के चलते मार्ग पर वाहनों की कतार लग गई।

तिगरी मेले के लिए बसों और ट्रेनों में बढ़ने लगी भीड़, श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में गंगा में लगाई आस्था की डुबकी



मुख्य स्नान से पहले रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर बढ़ी भीड़, 23 से 25 नवंबर तक 24 घंटे दौड़ेंगी रोडवेज बसें- तिगरी गंगा मेले के मुख्य स्नान से पहले अमरोहा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई है। 24 नवंबर को होने वाले मुख्य स्नान के लिए परिवहन निगम 23 से 25 नवंबर तक 24 घंटे बसों का संचालन करेगा, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।गंगा मैया के जयकारे, आस्था का सैलाब और तिगरी धाम पहुंचने की जल्दी... मुख्य स्नान की तारीख नजदीक आते ही तिगरी गंगा मेले की रौनक बढ़ने लगी है। गंगा में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का अमरोहा पहुंचना तेज हो गया है। रविवार को रेलवे स्टेशन से लेकर रोडवेज बस अड्डे तक यात्रियों की भीड़ दिखाई दी। हर-हर गंगे के जयकारे लगाते श्रद्धालु अपने परिवार और सामान के साथ तिगरी धाम की ओर रवाना होते नजर आए। 24 नवंबर को होने वाले मुख्य स्नान को देखते हुए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ने की संभावना है। मेले में पहुंचने वाले लोगों की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने भी कमर कस ली है। श्रद्धालुओं को रात में भी आवागमन की सुविधा देने के लिए 23 से 25 नवंबर तक चौबीस घंटे बसों का संचालन किया जाएगा।रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर बढ़ी रौनक- तिगरी मेले का उत्साह अब अमरोहा की सड़कों और सार्वजनिक परिवहन केंद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। रेलवे स्टेशन पर दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। ट्रेनों से उतरने के बाद लोग गंगा स्नान के लिए तिगरी धाम की ओर रवाना होते दिखे। वहीं, रोडवेज बस अड्डे पर भी यात्रियों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है।रात में भी मिलेगी बसों की सुविधा- मुख्य स्नान पर उमड़ने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम ने विशेष इंतजाम किए हैं। 23 से 25 नवंबर तक बसों का संचालन 24 घंटे किया जाएगा। इससे रात के समय भी श्रद्धालुओं को तिगरी मेले तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी। परिवहन निगम की ओर से अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए बसों के संचालन पर नजर रखी जा रही है।24 नवंबर को होगा मुख्य स्नान- तिगरी गंगा मेले में मुख्य स्नान 24 नवंबर को होना है। तारीख नजदीक आने के साथ ही श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए अमरोहा पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है। गंगा तट पर लगने वाले इस आस्था के मेले को लेकर प्रशासन और परिवहन विभाग भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने में जुटे हैं।

युवतियों में इटालियन और टर्किश गहनों का क्रेज, मुरादाबाद के बाजारों में ब्रेसलेट और हार की बढ़ी डिमांड



मुरादाबाद में युवतियों के बीच इटालियन और टर्किश डिजाइन की जूलरी का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी खास डिज़ाइन और बारीक फिनिशिंग उन्हें आकर्षित कर रही है।युवतियों में इटालियन और टर्किश जूलरी का क्रेज बढ़ा। मुरादाबाद के बाजारों में सोने व आर्टिफिशियल विकल्प मौजूद।बारीक फिनिशिंग और आकर्षक डिजाइन ग्राहकों को लुभा रहे।फैशन के बदलते ट्रेंड के साथ युवतियों में इटालियन डिजाइन की जूलरी का क्रेज बढ़ रहा है। इसकी खास डिजाइन, चमक और बारीक फिनिशिंग उन्हें आकर्षित कर रही है। शहर के गंज, कांठ रोड और अमरोहा गेट स्थित ज्वेलर्स और आर्टिफिशियल जूलरी बाजार में इटालियन और टर्किश हार के डिजाइन और आभूषण पसंद किए जा रहे हैं।खास बात यह है कि अब ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार दोनों तरह की जूलरी में विकल्प तलाश रहे हैं। उनमें युवतियों को नया ट्रेंड होने के कारण इटालियन हार और अंगूठियां पसंद आ रही हैं। उनके डिजाइनों पर महिलाएं भी ज्वैलर्स के पास ऐसे डिजाइन के ऑर्डर दे रही हैं।रिंग और हार बने युवतियों की पहली पसंद- सोने की जूलरी के साथ इन दिनों बाजारों में आर्टिफिशियल में हल्के वजन की चेन, आकर्षक पेंडेंट सेट, रिंग और हार युवतियों की पसंद बन रहे हैं। गंज बाजार में इन दिनों सोने की जूलरी में कई डिजाइन पहुंचे हैं। सोने की 22 और 18 कैरेट में जूलरी बाजार में पहुंची है।इटालियन डिजाइन में रिंग सेट, पेंडेंट सेट और हार की नई वैरायटी आई है। 19 कैरेट के एक हार की कीमत करीब 2.46 लाख रुपये है। डिजाइन और फिनिशिंग के चलते ग्राहक इन्हें पसंद कर रहे हैं। आर्टिफिशियल जूलरी का भी क्रेज-वहीं, आर्टिफिशियल जूलरी में भी इटालियन डिजाइन का प्रभाव दिखाई दे रहा है। कम बजट में आकर्षक लुक देने वाले ईयररिंग्स, नेकलेस, चोकर और पेंडेंट सेट युवतियों को पसंद आ रहे हैं। इनकी खासियत है कि अलग-अलग रंगों और डिजाइन में उपलब्ध होने के कारण इन्हें कपड़ों के साथ मैच करके पहना जा सकता है।शादी समारोह से लेकर पार्टी और सामान्य आयोजनों तक के लिए इनकी मांग रहती है। बाजार में आर्टिफिशियल में जूलरी में ऐसे डिजाइन दो हजार से छह हजार तक हार के सेट मौजूद हैं, वहीं सोने में 19 ग्राम के हार की कीमत लगभग ढाई लाख तक है। विक्रेताओं के अनुसार कम वजन में कम कीमत पर भी आभूषण उपलब्ध हैं।युवतियां अब जूलरी में केवल पारंपरिक डिजाइन तक सीमित नहीं हैं। वे ऐसे आभूषण पसंद कर रही हैं, जिन्हें वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के परिधानों के साथ पहना जा सके। -अंकित, आर्टिफिशियल, विक्रेता।जूलरी में निवेश और पहनने के उद्देश्य से खरीदारी के साथ फैशनेबल डिजाइन की मांग बनी हुई है। हमारे पास कई आर्डर पहुंचे हैं, सोने में भी 18 और 22 कैरेट में कई डिजाइन आये हैं। -हर्षित, ज्वैलर्स।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद से जयपुर के लिए जल्द शुरू होगी सीधी रोडवेज बस सेवा, किराया और रूट मैप तय

मुरादाबाद से जयपुर के लिए जल्द ही सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू होगी, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। मुरादाबाद से जयपुर के लिए सीधी बस सेवा शुरू होगी। बस दिल्ली होते हुए जयपुर पहुंचेगी, किराया 1,066 रुपये। यात्रियों की लंबे समय से मांग पूरी होगी।जयपुर जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। मुरादाबाद रोडवेज डिपो से जल्द ही जयपुर के लिए सीधी बस सेवा शुरू की जाएगी। बस दिल्ली होते हुए जयपुर पहुंचेगी। लंबे समय से मुरादाबाद से जयपुर के लिए सीधी बस सेवा की मांग की जा रही थी। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए परिवहन निगम ने बस संचालन का निर्णय लिया है। रूट और परमिट की अनुमति मुख्यालय से मिल चुकी है। जल्द ही बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। मुरादाबाद डिपो के स्टेशन प्रभारी संजीव गुप्ता ने बताया कि बस सुबह मुरादाबाद से रवाना होकर दिल्ली होते हुए जयपुर जाएगी। मुरादाबाद से जयपुर का किराया 1,066 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रियों की मांग को देखते हुए बस संचालन की तैयारी की जा रही है।



डिलारी पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में दो लोगों को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

मुरादाबाद। जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने और कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना डिलारी पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा के तहत कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार 23 नवंबर 2026 को थाना डिलारी से रपट संख्या 36, समय दोपहर 3ः23 बजे ग्राम मूलावान निवासी फिरासत हुसैन और नन्हे को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी थाना डिलारी क्षेत्र के ग्राम मूलावान के निवासी हैं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर दोनों को माननीय न्यायालय के समक्ष भेज दिया।



25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली और चोरी की बाइक बरामद

सिविल लाइंस क्षेत्र में निर्माणाधीन रिंग रोड के पुल के नीचे हुई मुठभेड़, सात मुकदमे दर्ज व हिस्ट्रीशीट की तैयारी मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश रिहान को पुलिस मुठभेड़ के बाद पैर में गोली लगने पर गिरफ्तार कर लिया गया। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने रविवार देर रात कांठ रोड स्थित निर्माणाधीन रिंग रोड के पुल के नीचे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी रिहान के पैर में गोली लग गई और घायल अवस्था में उसे पकड़कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल, तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन और 620 रुपये बरामद किए हैं। आठ नवंबर की बाइक चोरी में आया था नाम, 25 हजार का था इनाम-सिविल लाइंस के प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन ने बताया कि आठ नवंबर को हरथला चौकी क्षेत्र के अंतर्गत मऊ जाने वाले मार्ग से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ दर्ज की गई थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अफवाहों पर लगेगी लगाम : एडीजी बरेली जोन ने कंटेंट क्रिएटर्स को दिया जनहित का 'मंत्र'

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) डिजिटल युग में समाज और पुलिस के बीच विश्वास व समन्वय को और मजबूत करने के लिए सोमवार, 23 नवम्बर को बरेली जोन के अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा ने जोनल कार्यालय सभागार में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

शासन और डीजीपी मुख्यालय के निर्देशों के क्रम में आयोजित इस संवाद में साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा, यातायात जागरूकता और विशेष रूप से फेक न्यूज व अफवाहों पर लगाम लगाने को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ। एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि युवाओं के बीच क्रिएटर्स की मजबूत पकड़ है, इसलिए वे सकारात्मक और जनहितकारी कंटेंट के जरिए समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

यूपी पुलिस की वेबसाइट पर होगा पंजीकरण बैठक में क्रिएटर्स की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध डिजिटल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण करने की जानकारी दी गई। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2026 में भी बरेली जोन कार्यालय द्वारा कनेक्ट बरेली जोन इन्फ्लुएंसर्स मीट अप-2026 का सफल आयोजन किया गया था।

नौ विधानसभा क्षेत्रों में 24×7 निगरानी और आखिरी 72 घंटों में रहेगा विशेष पहरा

नोट ,शराब, ड्रग्स से बोट खरीदने वालों की खैर नहीं - डीएम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए बांटी जाने वाली अवैध नकदी, शराब, मादक पदार्थ और बहुमूल्य धातुओं की आवाजाही रोकने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला इंटेलिजेंस कमेटी (DIC) की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैंकों से लेकर सीमाओं तक पैनी नजर-डीएम ने स्पष्ट किया कि जनपद की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में पूर्व चुनावों के अनुभवों और जब्ती के आंकड़ों के आधार पर व्यय संवेदनशील पॉकेट्स (गांव, वार्ड, बाजार और सीमावर्ती मार्ग) चिन्हित किए जाएं। संवेदनशील स्थानों पर 24×7 निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टैटिक सर्विलांस टीम तैनात करने की कार्ययोजना बनेगी, जबकि मतदान से पूर्व अंतिम 72 घंटों में विशेष सतर्कता बरती जाएगी।?

सभी थानाध्यक्षों व चौकी प्रभारियों को सक्रिय करने के साथ अवैध शराब के भंडारण, तस्करी और नकदी/मादक पदार्थों की जब्ती का विधानसभावार डेटा तैयार करने के निर्देश।

बैंकिंग व डिजिटल लेन-देन- एलडीएम (बैंक ऑफ बड़ौदा) को असामान्य नकदी जमा-निकासी और एक खाते से कई खातों में कम समय में होने वाले संदिग्ध ऑनलाइन ट्रांजैक्शन पर नजर रखने को कहा गया है।

आयकर व जीएसटी- बड़ी नकद गतिविधियों और संदिग्ध व्यापारिक लेन-देन का परीक्षण कर प्रवर्तन एजेंसियों के बीच त्वरित सूचना साझा करने के निर्देश।

डीएम ने चेतावनी दी कि चुनाव में किसी भी प्रकार का अनुचित प्रलोभन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, एसपी सिटी चिराग जैन, मुख्य कोषाधिकारी शैलेश कुमार, आयकर अधिकारी अजय श्रीवास्तव, डिप्टी कमिश्नर ऑडिट संजय गौतम सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

एडीजी रमित शर्मा ने झंडा दिवस पर ध्वज को दी सलामी, पढ़ा डीजीपी का संदेश

बरेली। (ब्यूरो) बरेली । पुलिस झंडा दिवस के गौरवशाली अवसर पर सोमवार को बरेली जोन कार्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर पुलिस ध्वज को सलामी दी गई। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा ने प्रांगण में उपस्थित समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक , उत्तर प्रदेश का संदेश पढ़कर सुनाया और कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जोन कार्यालय के सभी पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



झण्डा दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया

जनपद बदायूं में पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन बदायूँ स्थित क्वार्टर गार्द पर एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा श्रीमान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश महोदय के संदेश को उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के समक्ष पढ़कर सुनाया गया तथा पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुमेध मिलिन्द जाधव व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



पति के उत्पीड़न से परेशान महिला को हाईकोर्ट से राहत

मिशन शक्ति और महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से मिलेगी सहायता, महिला पुलिस अधिकारी नामित करने का आदेश प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति द्वारा कथित मारपीट, धमकी और उत्पीड़न से परेशान महिला तथा उसके नाबालिग बच्चे की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने पुलिस अधीक्षक औरैया को महिला की शिकायत पर विचार कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मामला रिट याचिका संख्या 44409/2026, श्रीमती गीता बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं तीन अन्य से संबंधित है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शिवांगी चतुर्वेदी, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पक्ष रखा। याचिका में महिला ने बताया कि उसका विवाह वर्ष 2022 में हुआ था और उसका एक नाबालिग पुत्र है। महिला का आरोप है कि उसका पति उसके साथ बार-बार मारपीट करता था और धमकियां देता था। इसके चलते उसे वैवाहिक घर छोड़ना पड़ा। वर्तमान में वह अपने बच्चे के साथ जिला जालौन के कोंच में किराये के मकान में रह रही है। महिला ने 17 अक्टूबर 2026 को पुलिस अधीक्षक औरैया को प्रार्थना पत्र देकर स्वयं और अपने बच्चे की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। जालौन पुलिस से समन्वय कर सुरक्षा देने के निर्देश-हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक औरैया को महिला की शिकायत पर विचार कर उसे और उसके बच्चे को होने वाले खतरे का आकलन करने का निर्देश दिया है। महिला से संपर्क करने और उसकी आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए एक महिला पुलिस अधिकारी नामित करने को भी कहा गया है। महिला वर्तमान में कोंच, जिला जालौन में रह रही है। ऐसे में औरैया पुलिस अधीक्षक को जालौन पुलिस अधीक्षक और संबंधित स्थानीय थाने के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। घरेलू हिंसा कानून के तहत भी मिलेगी राहत- न्यायालय ने मिशन शक्ति केंद्र एवं महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से जिला प्रोबेशन अधिकारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता दिलाने के निर्देश दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर महिला को चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आश्रय भी उपलब्ध कराया जाएगा।हाईकोर्ट ने महिला को घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12, 18, 19 एवं 23 के तहत सक्षम मजिस्ट्रेट के समक्ष संरक्षण और अंतरिम राहत के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी है।अदालत ने इन निर्देशों के साथ रिट याचिका का निस्तारण कर दिया

41.05 करोड़ में नीलाम हुई केसर शुगर मिल की जमीन, किसानों को जल्द मिलेगा बकाया

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो) गन्ना किसानों के बकाया भुगतान की वसूली के लिए जिला प्रशासन ने केसर शुगर मिल (बहेड़ी) की कुर्क की गई 11.443 हेक्टेयर भूमि की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। तहसील सभागार बहेड़ी में हुई खुली बोली में एएनजी इन्फा इंजीनियरिंग प्रा.लि. ने 41.05 करोड़ रुपये की सर्वाधिक बोली लगाकर जमीन अपने नाम की।

कड़ी प्रतिस्पर्धा- 35 करोड़ रुपये के न्यूनतम आरक्षित मूल्य वाली इस जमीन के लिए चार फर्मों के बीच 68 चरणों तक बोली चली। 65वें चरण में 41.05 करोड़ रुपये की बोली निर्णायक रही। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी और किसान संगठनों की निगरानी में संपन्न हुई।

रकम जमा- उच्चतम बोलीदाता कंपनी ने 25% राशि यानी 10.26 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट तुरंत जमा करा दिया है। शेष रकम जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।क्यों हुई कार्रवाई- पेराई सत्र 2024-25 के तहत मिल पर किसानों के 162.30 करोड़ रुपये बकाया होने पर जमीन कुर्क की गई थी। पहले भी नीलामी की कोशिश हुई थी, लेकिन आपत्तियों और तकनीकी कारणों से टलती रही।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई से अब किसानों के लंबित भुगतान की राह साफ हो गई है। प्रशासन के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी की पुष्टि के बाद आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर किसानों को राहत दी जाएगी।

3 जनवरी को धूमधाम से मनेगा एक गूंज सेवा समिति का स्थापना दिवस

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) बरेली । एक गूंज सेवा समिति उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर सैनिक कॉलोनी गली नंबर-1 स्थित मुख्य कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह (बंटी ठाकुर) ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी 3 जनवरी को संस्था का स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा।

?समारोह में देश के लगभग 15 राज्यों से आने वाले 151 शिक्षकों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को 'राष्ट्र गौरव सम्मान 2027' से अलंकृत किया जाएगा। इसके साथ ही क्षेत्र का मान बढ़ाने वाली 5 विशिष्ट हस्तियों को 'एक गूंज रोहिलखंड गौरव 2027' प्रदान किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि निस्वार्थ भाव से समाज, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा देने वालों का सम्मान दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है।

बैठक के दौरान कार्यक्रम स्थल, मंच संचालन, आमंत्रण पत्र और अतिथियों के स्वागत की रूपरेखा तैयार कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। बैठक में संतोष राज, सुजाता मिश्रा, दीपा श्रीवास्तव, पूजा दुबे, पारस सिंह, राजेंद्र और पीयूष प्रजापति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ओवरटेक करते समय अर्टिगा से भिड़ी बस, दो नेपाली युवकों की मौत; चालक की हालत गंभीर

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) जनपद के बीसलपुर मार्ग पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अहरौला गांव के पास तेज रफ्तार निजी बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही अर्टिगा कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अर्टिगा पीछे से आ रही एक अन्य कार से भी जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में अर्टिगा में सवार नेपाल के दो युवकों की मौत हो गई, जबकि कार चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।

बरेली-बीसलपुर मुख्य मार्ग पर अहरौला गांव के समीप हुआ। तेज गति से जा रही एक निजी बस दूसरे वाहन को ओवरटेक कर रही थी, तभी सामने से आ रही अर्टिगा कार से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अर्टिगा अनियंत्रित होकर अपने पीछे चल रही दूसरी कार से भी टकरा गई। दुर्घटना में अर्टिगा सवार नेपाल के बाजुरा निवासी अर्जुन कामी (36) और चेतराज (35) गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि चालक दिल बहादुर राणा भी बुरी तरह जख्मी हो गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले दो की मौत, चालक गंभीर- हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए बरेली के अस्पताल भिजवाया।

अर्जुन कामी और चेतराज ने अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जिसके बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अर्टिगा चालक दिल बहादुर राणा का गंभीर अवस्था में उपचार चल रहा है। इसके अलावा अर्टिगा में सवार अन्य यात्रियों और पीछे से टकराई दूसरी कार में सवार दो लोगों को भी चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव, मार्ग पर लगा जाम पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद कुछ समय तक बीसलपुर मार्ग पर अफरा-तफरी और जाम की स्थिति बनी रही, जिसे पुलिस ने वाहनों को हटवाकर सामान्य कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीएम, एसएसपी ने पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूँ में हरियाणा के हिसार में सैन्य युद्धाभ्यास के दौरान हुए टैंक हादसे में वीरगति को प्राप्त हुए जनपद बदायूँ के ग्राम आमगांव, थाना सिविल लाइन निवासी भारतीय सेना के नायक अंकुश कुमार पटेल पुत्र आदेश पटेल का पार्थिव शरीर सोमवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा। गांव में शहीद जवान को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित हुए। इस दौरान गांव का माहौल गमगीन रहा और लोगों ने नम आंखों से शहीद को अंतिम विदाई दी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने शहीद नायक अंकुश कुमार पटेल के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दोनों अधिकारियों ने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट की।

अंतिम विदाई के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, सैन्य वीर जवान के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया।

नायक अंकुश कुमार पटेल के बलिदान से जनपद में शोक की लहर है। उनका देश के प्रति



जवानों तथा क्षेत्रीय नागरिकों ने भी शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभी ने देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर श्री सांई आश्रित शाखमुरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



राजकीय हाई स्कूल बेहटा सरथल में संविधान संवाद अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर







@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद के दिशा-निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तपस्या त्रिपाठी की देखरेख में राजकीय हाईस्कूल बेहटा सरथल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने सुंदर रंगोली सजाई। संविधान संवाद अभियान के अंतर्गत विद्यालय में संविधान एवं विधिक जागरूकता के संबंध में तथा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को नि:शुल्क, निष्पक्ष एवं सुलभ विधिक जानकारी के विषय में जागरूक किया गया। पराविधिक स्वयंसेवक रिंकी ने विद्यालय की हाई स्कूल टॉपर छात्राओं मीनाक्षी और खुशी रानी को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

शिविर में प्रधानचार्य डॉ इदरीस अहमद, अध्यापक शशिबाला, वैशाली सैनी, पी टी आई नज़रूम एवं सरफ़राज़, विनोद कुमार, उमा भारती, आरती एवं छात्र छात्राएं रहे। इस दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय में इंटरमीडिएट तक कक्षाएं लगवाने की मांग उठाई। संचालन मोहम्मद फहीम ने किया।

संक्षिप्त समाचार

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद का राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने किया स्वागत

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक बिलारी की टीम ने सोमवार को नवागत खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया।



इस अवसर पर महासंघ की ओर से उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग ब्लॉक बिलारी की पूरी टीम के साथ जिला मंत्री मुकेश कुमार और राहुल तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह सहित महासंघ के पदाधिकारियों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी से परिचय प्राप्त कर शैक्षिक गतिविधियों एवं संगठन से जुड़े विषयों पर शिष्टाचार मुलाकात की।

श्री गुरु नानक देव जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान का महत्व बताया

@ क्यूँ न लिखूँ सच

रुस्तम नगर रामपुर । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारतीय पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर रामपुर में श्री गुरु नानक देव जयंती एवं पवित्र कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।



वंदना सभा के पश्चात सामूहिक रूप से श्री गुरु नानक देव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। वंदना प्रमुख, कन्या भारती की पदाधिकारी बहनों, प्रधानाचार्य, आचार्य एवं दीदियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्य वक्ता प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिशन ने श्री गुरु नानक देव के जीवन एवं उनके उपदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि श्री गुरु नानक देव सिख धर्म के प्रथम गुरु थे। उन्होंने ईमानदारी से जीवन जीने, मिल-बांटकर खाने, सेवा करने, किसी की बुराई न करने तथा अधिक से अधिक परोपकार करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाएं मानवता, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाती हैं। गुरुद्वारों में संचालित लंगर व्यवस्था इसी सेवा और समरसता की भावना का प्रतीक है।

कार्तिक पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा सहित विभिन्न पवित्र नदियों एवं तीर्थस्थलों पर पहुंचकर स्नान, दान और पूजा-अर्चना करते हैं। गंगोत्री के गोमुख से निकलने वाली मां भागीरथी गंगा उत्तर प्रदेश, बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल में गंगासागर के निकट समुद्र में मिलती हैं। इसके अतिरिक्त रामगंगा, सरयू, घाघरा, गोमती, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी और अन्य पवित्र नदियों के घाटों पर भी श्रद्धालु स्नान एवं दान कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। उन्होंने इसे भारतीय सनातन परंपरा और आस्था का महत्वपूर्ण पर्व बताया। इस अवसर पर श्री गुरु नानक देव एवं कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें अनेक भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रश्नों के उत्तर दिए। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों का सभी ने करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक एवं जिला पंचायत प्रशासक ख्यालीराम लोधी भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय का भौतिक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर नरोत्तम सिंह मौर्य, ब्रजकिशोर मौर्य, धर्मेंद्र सिंह, उमेश कुमार, संजय सिंह, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, प्रेमपाल, प्रकाश बाबू, गौरव सिंह, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, विनीता, सेविका कलावती, सेनापति कुमारी शायरी, कुमारी अलवीरा, कुमारी आकृति गंगवार, कन्या भारती अध्यक्ष कमल मौर्य, गीता मौर्य, कुमारी अंशिका, रोमानी, चेतन एवं तनु सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

चोरी के मामले में दो बाल अपचारी गिरफ्तार, 1.70 लाख रुपये की नकदी बरामद

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने चोरी के मामले में दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की गई एक लाख 70 हजार रुपये की नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों को बाल न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, गांव सपरी निवासी दुर्गेश कुमार गंगवार ने 22 नवंबर को घर में रखी अलमारी तोड़कर करीब एक लाख 70 हजार रुपये चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान वादी की ओर से नामजद किए गए आरोपियों की तलाश की जा रही थी। सोमवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कस्बे के मुखबिर की सूचना पर कुरतरा तिराहे के पास सड़क किनारे से दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना स्वीकार की। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई एक लाख 70 हजार रुपये की नकदी बरामद की। मामले में मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तार बाल अपचारियों में आदर्श पुत्र नन्हेलाल, निवासी गांव सपरी, थाना फतेहगंज पश्चिमी, उम्र 17 वर्ष तथा आयुष पुत्र मुकेश, निवासी गांव सपरी, उम्र 14 वर्ष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आदर्श के खिलाफ पहले से बरादरी थाने में चोरी और अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, जबकि आयुष का कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार, उपनिरीक्षक विनोद कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह और कांस्टेबल पुष्पेंद्र शामिल रहे।

धनेटा-शीशगढ़ मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार गंभीर घायल टक्कर इतनी भीषण कि दोनों बाइक क्षतिग्रस्त, एंबुलेंस से घायलों को भेजा बरेली

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता)

फतेहगंज पश्चिमी। धनेटा-शीशगढ़ मार्ग पर रविवार रात दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए बरेली भेजा।जानकारी के अनुसार, दुनका निवासी अनीस रविवार रात करीब सात बजे अपनी पत्नी अमरीन के साथ बरेली से दवा लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान धनेटा-शीशगढ़ मार्ग पर सामने से परतापुर निवासी रोशनलाल अपने बकेनिया वीरपुर निवासी साथी के साथ दुनका से परतापुर जा रहे थे। इसी बीच दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही थाना शाही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए बरेली भिजवाया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

वहीं, धनेटा-शीशगढ़ मार्ग पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

कोतवाली में मनाया पुलिस झंडा दिवस, दी सलामी





बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । कोतवाली में पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। प्रभारी निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने झंडे के महत्व और पुलिस के कर्तव्यों के बारे में कहा कि पुलिस का झंडा सम्मान अनुशासन और सेवा का प्रतीक है। इस दौरान सभी जवानों ने देश और जनता की सेवा की शपथ ली। प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस महानिदेशक का संदेश पढ़कर सुनाया। पुलिसकर्मियों ने झंडे के गौरव को नमन किया। कोतवाली के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुलिस ध्वज को सलामी दी और उसके सम्मान में अपनी प्रतिबद्धता जताई। डीजीपी के संदेश में पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा की भावना के महत्व को बताया गया। झंडे को सलामी के दौरान पुलिस की पूरी टीम मौजूद रही। पुलिसकर्मी अनुशासन के साथ खड़े दिखाई दिए।

साक्षर भारत मिशन के प्रेरकों को मिले बकाया मानदेय और सेवा बहाली का हक

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । साक्षर भारत मिशन के अंतर्गत वर्षों तक सेवाएं देने वाले शिक्षा प्रेरकों, ब्लॉक एवं जिला समन्वयकों ने बकाया मानदेय के भुगतान और सेवा बहाली की मांग को लेकर सोमवार को सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान के कार्यालय एमआई हाउस में ज्ञापन सौंपा।आदर्श लोक शिक्षा प्रेरक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, शाखा मुरादाबाद के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा साक्षर भारत मिशन के तहत वर्षों तक सेवाएं देने के बावजूद उन्हें आज तक बकाया मानदेय नहीं मिला है, लंबित मानदेय का भुगतान कराकर उनकी सेवाएं दोबारा बहाल की जाएं। जिलाध्यक्ष मोहम्मद अरकान ने कहा साक्षर भारत मिशन के तहत वर्ष 2013 से 31 मार्च 2018 तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ग्राम पंचायत स्तर पर दो-दो शिक्षा प्रेरकों, ब्लॉक स्तर पर एक समन्वयक तथा जिला स्तर पर चार जिला समन्वयकों की नियुक्ति की गई थी। इन कर्मचारियों ने साक्षर भारत मिशन के साथ-साथ जनगणना, सर्वे, पल्स पोलियो अभियान और बीएलओ सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में भी पूरी निष्ठा से जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। जिला सचिव मोहम्मद आरिफ ने कहा लंबे समय तक सेवाएं देने के बावजूद आज तक उनका बकाया मानदेय नहीं मिला है। शासन स्तर से संबंधित धनराशि जनपद स्तर पर भेजे जाने की बात कही जाती है, लेकिन विभागीय स्तर पर भुगतान की प्रक्रिया लंबित होने के कारण उन्हें उनका बकाया नहीं मिल सका है।



उन्होंने विधायक से मांग की इस मामले को शासन स्तर पर उठाकर वर्षों से लंबित मानदेय का भुगतान कराया जाए तथा शिक्षा प्रेरकों और समन्वयकों की सेवा बहाली की मांग को प्रमुखता से उठाया जाए। विधायक ने प्रेरकों को आश्वासन दिलाया कि वह उनका बकाया मानदेय व सेवा बहाली को लेकर दोबारा विधानसभा से लेकर विभागीय स्तर तक हर संभव प्रयास करेंगे। इस दौरान अनुज यादव, प्रवेश, अरविंद, पूनम सेनी, शबनूर, देवदत्त दिवाकर, आदित्य यादव, विजेंद्र सिंह, इंद्रजीत कुसुम, धर्मेंद्र यादव, कल्पना देवी पदाधिकारी एवं विभिन्न ब्लॉकों के [illegible]

हिंदू कॉलेज में स्व-जनगणना जागरूकता अभियान में एनसीसी कैडेट्स और शिक्षक हुए शामिल

मुरादाबाद @ क्यूँ न लिखूँ सच । हिंदू डिग्री कॉलेज में स्व-जनगणना जागरूकता अभियान का आयोजन प्राचार्य प्रो. एस.एस. रावत की प्रेरणा से किया गया।



जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्व-जनगणना के महत्व, उसकी प्रक्रिया तथा इसके प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान हिंदू कॉलेज के शिक्षकों एवं 24 यू.पी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। हिंदू कॉलेज के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. राजीव चौहान ने स्व-जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया स्व-जनगणना देश की जनसांख्यिकीय स्थिति का महत्वपूर्ण आधार है। इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। एनसीसी कैडेट्स ने भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनजागरूकता के संदेश को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि जागरूक युवा ही जागरूक समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर ए.पी सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ दिलीप कुमार, डॉ आलोक यादव, डॉ हरिकेश सिंह, एनसीसी कैडेट्स एवं विभिन्न विभागों के प्राध्यापक रहे।

रिंग रोड के साथ मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा-काशीपुर मार्ग का निर्माण निर्धारित समय में पूरा कराने के डीएम ने दिए निर्देश

मुरादाबाद @ क्यूँ न लिखूँ सच । रिंग रोड तथा मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा-काशीपुर मार्ग के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन एच एआई) के परियोजना निदेशक ने बताया मुरादाबाद रिंग रोड का लगभग 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।



लगभग 655 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन इस परियोजना को मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा-काशीपुर मार्ग का लगभग 60 प्रतिशत कार्य हो चुका है। लगभग 620 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन इस परियोजना को जून 2027 तक पूरा किया जाना है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए दोनों परियोजनाओं की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाए तथा निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए जिलाधिकारी ने कहा दोनों परियोजनाएं मुरादाबाद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनके पूर्ण होने से मुरादाबाद शहर में यातायात के दबाव एवं जाम की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही रामनगर एवं उत्तराखंड के अन्य नगरों की ओर जाने वाले यात्रियों एवं पर्यटकों को मुरादाबाद शहर के अंदर से होकर गुजरना नहीं पड़ेगा। इससे यातायात सुगम होने के साथ सड़क दुर्घटनाओं की संभावना तथा जाम के कारण उत्पन्न होने वाली अन्य समस्याओं में भी कमी आएगी।

ओवरटेक करते समय बस ने अर्टिगा में मारी टक्कर, नेपाल के दो युवकों की मौत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

भुता। (शेर सिंह) बरेली-बीसलपुर मुख्य मार्ग पर रविवार देर रात करीब 1ः30 बजे ग्राम अहरौला के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। दूसरे वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही प्राइवेट बस ने अर्टिगा कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्टिगा अनियंत्रित होकर पीछे चल रही दूसरी कार से भी टकरा गई। हादसे में नेपाल निवासी दो युवकों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से बरेली अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार, नेपाल के जिला बाजुरा निवासी अर्जुन कामी (36), चेतराज कोसी (40) और चालक दिल बहादुर राणा अर्टिगा कार में सवार थे। सभी लोग नेपाल से दिल्ली मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। रविवार रात करीब डेढ़ बजे उनकी कार बरेली-बीसलपुर मुख्य मार्ग पर ग्राम अहरौला के पास पहुंची। इसी दौरान सामने से आ रही एक प्राइवेट बस दूसरे वाहन को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान बस और अर्टिगा कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर लगने के बाद अर्टिगा पीछे चल रही दूसरी कार से भी टकरा गई। अचानक हुए हादसे से मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में अर्टिगा कार सवार अर्जुन कामी, चेतराज कोसी और चालक दिल बहादुर राणा गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी कार में सवार लोगों को भी चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकलवाकर एंबुलेंस से बरेली अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने से पहले ही अर्जुन कामी और चेतराज कोसी की मौत हो गई। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। चालक दिल बहादुर राणा की हालत गंभीर बताई जा रही है। अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

चार बेटियों के सिर से उठा पिता का साया- हादसे में जान गंवाने वाले चेतराज कोसी अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनकी चार बेटियां हैं। परिवार की जिम्मेदारी उनके ही कंधों पर थी। रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली जा रहे चेतराज की हादसे में मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पति की मौत की खबर मिलते ही पत्नी लक्ष्मी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस परिवार को बेहतर भविष्य की उम्मीद थी, वहां अब अपनों को खोने का गम छा गया है। हादसे में नेपाल के जिला बाजुरा निवासी चरण कुमार सरेला, जगत, हिमेश और लक्ष्मी समेत अन्य लोग भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए बरेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में दो दिवसीय साइबर सुरक्षा कार्यशाला का समापन, जाना फॉरेंसिक्स का महत्व

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आईक्यूएसी (IQAC) कमेटी और जीनियस साइबर सिक्योरिटी काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एथिकल हैकिंग एवं साइबर सुरक्षा विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का उत्साहपूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला में कुल 336 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर साइबर जगत की बारीकियां सीखीं।

दूसरे दिन के सत्र का शुभारंभ काउंसिल के निदेशक विशाल गौड़, सी.एम.ओ. उदित नारायण गौड़, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने कहा कि डिजिटल युग में अपनी पहचान और व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी से देश के विकास में योगदान देने और आत्म-मूल्यांकन करने का आह्वान भी किया।मुख्य वक्ता विशाल गौड़ ने कार्यशाला के अंतिम दिन साइबर और विंडोज फॉरेंसिक्स पर केंद्रित सत्र में डिजिटल साक्ष्यों को जुटाने, उन्हें संरक्षित करने और वैज्ञानिक विश्लेषण करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षित इंटरनेट ब्राउजिंग और साइबर हमलों से बचाव के व्यावहारिक टिप्स भी दिए। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञ से तकनीकी सवाल पूछकर साइबर फॉरेंसिक्स में करियर की संभावनाओं की जानकारी ली।

कार्यशाला के सफल आयोजन पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने शुभकामनाएं दीं। मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुमित अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर सह-समन्वयक डॉ. नीतू शर्मा, अजीत सिंह, डॉ. के. के. मेहरोत्रा, डॉ. पूजा अग्रवाल सहित समस्त शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बड़ौदी में अवैध शराब के ठिकाने पर कोतवाली पुलिस की दबिश, 60 लीटर हाथ भट्टी की शराब जब्त

शिवपुरी। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ौदी क्षेत्र से 60 लीटर हाथ भट्टी की शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके पर बनी शराब की भट्टी और दो ड्रमों में भरे लहान को भी नष्ट किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 नवंबर को कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि रामसहाय ट्रांसपोर्ट के पीछे बड़ौदी क्षेत्र में एक व्यक्ति हाथ भट्टी की शराब का अवैध रूप से विक्रय कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक पुनीत वाजपेयी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान सुमेर सिंह यादव (48 वर्ष), निवासी सहराना बस्ती बड़ौदी के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पास रखी दो प्लास्टिक की कट्टियों की तलाशी ली, जिनमें 30-30 लीटर, कुल 60 लीटर हाथ भट्टी की शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर बनी शराब की भट्टी तथा दो ड्रमों में भरे लहान को फैलाकर नष्ट कर दिया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 897/26 के तहत आबकारी एक्ट की धारा 34(1) एवं 34(2) में मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पुनीत वाजपेयी, प्रधान आरक्षक दिनेश सिंह, आरक्षक अंकित शर्मा, महेंद्र तोमर, राहुल कुमार एवं प्रधान आरक्षक जितेंद्र रावत की सराहनीय भूमिका रही।



वोट चोर-गद्दी छोड़' के नारों के साथ सड़कों पर उतरी सपा ,पीडीए पदयात्रा से दिखाए चुनावी तेवर

बरेली।(ब्यूरो) विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने जिले में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को शहर में 'पीडीए जनचेतना पदयात्रा' निकालकर सरकार की नीतियों का विरोध किया। हाथों में 'वोट चोर-गद्दी छोड़' और रोजगार की मांग वाली तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। पदयात्रा में शहर और कैंट विधानसभा क्षेत्रों के संभावित प्रत्याशियों ने भी समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यालय से शुरू हुई यह पदयात्रा पटेल चौक, नावेल्टी चौराहा, जिला अस्पताल रोड और कुतुबखाना होते हुए घंटाघर पर समाप्त हुई। यात्रा में सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन और सपा नेता अनीस बेग समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। जनता के मुद्दे उठाना मुख्य मकसद- सपा नेताकैंट विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी कर रहीं पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनता को जागरूक करना और अखिलेश यादव के कार्यकाल की उपलब्धियों के साथ-साथ वर्तमान सरकार की कमियों को सामने रखना है। वहीं, सपा नेता अनीस बेग ने कहा कि पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और संविधान से जुड़े सवालों को लेकर गांव-गांव और शहर-शहर जा रही है। सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों में चलेगा अभियान- सपा ने जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में 22 नवंबर से 22 दिसंबर तक पीडीए जनचेतना पदयात्रा निकालने की योजना बनाई है। 22 नवंबर को फरीदपुर से शुरू हुए इस अभियान को अब अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि चुनाव से पहले संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके।



कोविड योद्धाओं ने फिर उठाई बहाली की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर प्रदेश की जनता की सेवा करने वाले अस्थाई कोविड स्वास्थ्यकर्मियों ने एक बार फिर मध्यप्रदेश सरकार से रोजगार बहाली की मांग उठाई है। कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल कर्मचारी संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर पूर्व में सेवाएं दे चुके स्वास्थ्यकर्मियों को शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं में पुनः नियुक्त करने की मांग की है।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल पटेल एवं प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी के नेतृत्व में सौंपे गए

ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला स्वास्थ्य समितियों के माध्यम से मेरिट के आधार पर आयुष चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों, लैब टेक्नीशियनों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों सहित विभिन्न पैरामेडिकल कर्मचारियों की अस्थाई नियुक्तियां की गई थीं।

इन स्वास्थ्यकर्मियों ने महामारी के कठिन दौर में लगभग दो वर्षों तक सेवाएं दीं। हालांकि मार्च 2022 में बजट की कमी का हवाला देते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इसके बाद से कई कोविड स्वास्थ्यकर्मी रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं और पुनर्बहाली की मांग कर रहे हैं। रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति सहित पांच मांगें- ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने कोविड काल में नियुक्त सभी अस्थाई स्वास्थ्यकर्मियों की पुनर्बहाली, जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रिक्त पदों पर योग्यता और अनुभव के आधार पर संविदा नियुक्ति देने की मांग की है। इसके साथ ही कोविड योद्धाओं के अनुभव को प्राथमिकता देते हुए विशेष भर्ती एवं समायोजन नीति बनाने, स्वास्थ्य मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों सहित संगठन प्रतिनिधियों की उच्च स्तरीय समिति गठित करने तथा मांगों पर शासन स्तर से लिखित आदेश जारी करने की अपील की गई है।सेवाओं का अनुभव स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए उपयोगी- संगठन का कहना है कि महामारी के दौरान इन स्वास्थ्यकर्मियों ने विषम परिस्थितियों में दिन-रात सेवाएं देकर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती प्रदान की थी। ऐसे में उनके अनुभव का उपयोग प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। संगठन ने मुख्यमंत्री से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कोविड योद्धाओं के रोजगार और भविष्य को लेकर शीघ्र नीतिगत निर्णय लेने की मांग की है।

अब देखना होगा कि प्रदेश सरकार लंबे समय से बहाली की मांग कर रहे इन कोविड स्वास्थ्यकर्मियों के संबंध में क्या निर्णय लेती है।

सर्राफा व्यापारी ने अपने पिताजी की पुण्यतिथि पर कराया विशाल भंडारा

@ क्यूँ न लिखूँ सच





शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे की मेन बाजार में सीकों वाली गली के पास शुभिका ज्वेलर्स के मालिक शुभम अग्रवाल एवं उनके छोटे भाई प्रशांत अग्रवाल, शशांक अग्रवाल उर्फ अन्ना भाई पटाखे वालों ने अपने पिताजी स्वर्गीय सत्य प्रकाश अग्रवाल की पुण्यतिथि के उपलक्ष में अपनी शुभिका ज्वेलर्स दुकान के सामने पूड़ी, सब्जी के विशाल भंडारे का आयोजन किया। विशाल भंडारे के आयोजन से पूर्व सर्राफा व्यापारी शुभम अग्रवाल ने अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ को प्रसाद का भोग लगाया। उसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में कस्बा एवं दुरदारज कस्बे में खरीदारी करने आए लोगों ने पूड़ी,सब्जी, हलवे का प्रसाद ग्रहण कर आनंद लिया। इस मौके पर महाकाल के भक्त महंत मुकेश भारद्वाज, व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन कृष्णपाल मौर्य, वरिष्ठ कॉन्ट्रैक्टर जगत सिंह सनी, मयंक अग्रवाल, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, सर्राफा व्यापारी दीपक अग्रवाल, सतीश गुप्ता, गौरव गुप्ता, सुबोध पोरवाल, शुभम अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, सर्राफा व्यापारी नरेश अग्रवाल, हरीश गुप्ता, रमेश भारद्वाज, रामकुमार गुप्ता, लालता गुप्ता, अखिलेश अग्रवाल, अमित सिंह, राज कपूर गुप्ता सीपू गुप्ता, अंकुर गुप्ता लवी अग्रवाल, पंकज गुप्ता, दर्पण अग्रवाल आदि लोगों ने भंडारा वितरण करने में विशेष सहयोग किया।

सीएम हेल्पलाइन के नॉन अटेंडेंट आवेदनों पर कलेक्टर सख्त, संबंधित अधिकारियों के वेतन काटने के निर्देश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी)कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए आवेदनों के निराकरण एवं शिकायतों पर समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के ऐसे आवेदनों पर विशेष नाराजगी व्यक्त की, जो संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा निर्धारित समयावधि में अटेंड ही नहीं किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण की अपेक्षा से सीएम हेल्पलाइन पर आवेदन दर्ज कराए जाते हैं। ऐसे आवेदनों को अनदेखा करना शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही का परिचायक है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के जो आवेदन नॉन अटेंडेंट की श्रेणी में हैं, उन प्रकरणों में संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों के जितने दिनों के आवेदन अनअटेंडेड रहे हैं, उतने दिनों का वेतन काटने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस संबंध में अपर कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए समय पर अटेंड किया जाए तथा शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उसकी समस्या का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आवेदन बिना कार्रवाई के लंबित न रहे। सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनसुनवाई व्यवस्था है, इसलिए इसमें प्राप्त शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को लंबित आवेदनों के निराकरण में तेजी लाने तथा जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

Dried and blackened lemons are also very useful. Instead of throwing them away, here's how to use them at home.



Instead of throwing away dried and blackened lemons from the market, you can use them for many household tasks. If you buy a few extra lemons from the market, they start to turn black within a few days. In such a situation, we have no option but to throw them away. But this time, don't discard them as useless after they dry up. In fact, there are many ways to reuse dried lemons. Let's learn tips and tricks for using them in household tasks: Remove kitchen odors - If too many lemons have dried up, cut them into two halves and place them in the corners of the kitchen. It can also prove to be very effective in removing odors from the microwave and refrigerator. You don't have to do anything; just cut a lemon and keep it in the refrigerator. After heating it for a while in the oven, leave it there. Remove dirt from a chopping board - Lemon is a cleaning agent that can be used to remove dirt from chopping boards. To do this, first cut a dried lemon and apply salt to it, then rub it in circular motions on the board for 1 minute. Once the stain begins to loosen, wash it as usual. Drive away insects - You may not know, but lemon is very effective in driving away insects and ants from the kitchen, even if it's already dry. Dry the already dried lemon thoroughly in the sun again and grind it into powder. Then sprinkle this powder in the kitchen and other corners of the house. Deep cleaning a blender - Blenders are used daily in many homes, so more dirt accumulates than is removed during washing. To do this, take a dried lemon, sprinkle baking soda on it, and rub it on the blender for 2 minutes. After this, rinse it with lukewarm water. Add to plant soil - To remove moisture from dried lemon, dry it thoroughly in the sun and grind it into powder. Mix this powder in the right amount into the soil of plants that require slightly acidic soil. Actually, the citric properties present in lemon work to nourish such plants.

Is the idli batter not fermenting due to the cold? These 8 home-grown kitchen tricks will come in handy.

Eating hot idlis in the winter season is a delight, but preparing them is no less of a task. This is because the cold significantly slows down the fermentation process in the idli batter. As winter approaches, many small problems arise in our kitchens. The most common and frustrating of these is the idli batter not fermenting properly. In the summer, the batter rises easily, but in the winter, the temperature drops significantly, slowing the fermentation process. The good bacteria responsible for fermentation require mild warmth to activate. This is why proper fermentation in winter can result in hard, heavy, and tasteless idlis. If you're worried about your idlis in the winter, there's no need to worry. Just follow these easy and effective tips and make perfect, spongy idlis at home. Use lukewarm water - Avoid using very cold water when mixing the batter in winter. Instead, use lukewarm water. This balances the batter temperature and speeds up the fermentation process. However, be careful not to let the water get too hot, otherwise the good bacteria that help ferment die. Store the batter in a warm place - During winter, store the batter in a warm corner of the kitchen. You can place it near the gas stove, on top of the refrigerator, or even inside a microwave or oven with the light on. This steady warmth helps the batter rise properly. Add a pinch of jaggery or sugar - This tip is nothing short of magical. Simply adding a pinch of jaggery or half a teaspoon of sugar to the batter gives the bacteria an instant boost, activating them quickly and accelerating fermentation. The best part is that this doesn't affect the taste of your idli. Grind fenugreek seeds with urad dal - Fenugreek seeds are very useful in making idli soft and light. Soak 1 to 2 teaspoons of fenugreek seeds and grind them with urad dal. This naturally promotes fermentation. Maintain the right ratio of lentils and rice - For perfect idli, it is very important to have the right amount of rice and urad dal. Generally, a ratio of 3:1 or 4:1 (rice: urad dal) is considered best. This gives the batter a good texture and it rises well. Leave some space for air - When storing the batter, don't put a completely airtight lid on it. Just cover it lightly so that there is some air circulation. This light airflow helps fermentation to take place properly. Give the batter a little more time - Don't rush during the winter season. Due to the cold, fermentation can take 10 to 14 hours. So, give the batter enough time to rise. Add salt at the end - If it is very cold, then add salt to the batter only after fermentation. Actually, salt slows down the fermentation process, so it is wise to add it later. Batter not rising is a very common thing in winter, but if you use a little common sense and these special techniques, then even in the cold season, your idlis will turn out to be soft, spongy and tasty.



New drug "Ekirvo" may provide relief from liver disease, clinical trials show significantly better results

The new drug "Ekirvo" (elafibranor) has shown promising results in clinical trials for patients suffering from liver inflammation. Researchers have found a solution to the problem of patients with liver inflammation who are not responding to standard treatments. Drug trials were conducted to improve the treatment of liver problems. Positive effects on liver function were observed after taking one of the drugs. Significant improvement with "Ekirvo" - Patients suffering from liver inflammation experienced significant improvement in liver function after taking Ipsen's drug "Ekirvo." This information comes from data from a final-stage trial of the drug. The study included approximately 92 patients suffering from primary biliary cholangitis (PBC). For this trial, Ekirvo was tested as a second-line treatment. Patients' ALP levels returned to normal - Despite treatment with ursodeoxycholic acid before the trial, these patients had mild to moderately elevated levels of the liver enzyme called alkaline phosphatase (ALP). Higher than normal ALP levels are associated with active disease and a higher risk of liver transplantation, while restoring them to normal levels may lead to a better life expectancy, free of complications. After one year of the trial, ALP levels returned to normal in 85.3 percent of patients taking Ekirvo, compared to 23.3 percent of patients taking placebo. Comparing the two, those taking Ekirvo experienced an average reduction of 36.5 percent in ALP compared to baseline levels, compared to 4.2 percent in those taking placebo. Therefore, this effect of the drug on patients is a positive sign. These data, published recently in the journal Hepatology, are also known as elafibranor, the chemical name for Ekirvo. Several liver-related laboratory parameters normalized in most patients taking Ekirvo. The results indicate that Ekirvo can reduce ALP.



The title song of Doordarshan's cult show was inspired by a verse from the Rigveda; its lyrics resonated in every household.

The title song of a historical show aired on Doordarshan was inspired by lines from the Rigveda. The show was based on a book by Jawaharlal Nehru. The show depicted India's history. Whenever Doordarshan shows, serials, and TV series are discussed, nostalgia is evoked. Most of the programs aired at that time were watched by families together. The songs and tunes used in the shows were also memorized by heart. The show's song was based on a verse from the Rigveda. A similar historical show aired on Doordarshan in 1988, depicting India's history spanning approximately 5,000 years. The show's 53 episodes compiled various events from India's history. One of the show's songs featured lines taken from the Rig Veda, one of the most ancient texts. The show's title song, "Before the creation, there was no truth, no untruth, no space, no sky," was based on the Nasadiya Sukta of the Rig Veda. It is considered associated with the creation of the universe. The song begins with the basic mantra of culture and then, in Hindi, explores the question and philosophy of the beginning of creation. The show was based on Jawaharlal Nehru's book: Created by Shyam Benegal, the historical show "Bharat Ek Khoj" was based on India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru's book "The Discovery of India." This TV series aired from 1988 to 1989 and covers approximately 5,000 years of Indian history, from ancient times to independence in 1947. Over 500 India's artists were part of the show. Many illustrious artists worked on various episodes of the show. From Om Puri to Naseeruddin Shah and Irrfan Khan, various actors appeared in various roles. The show debuted to mark the birth centenary of Jawaharlal Nehru. The historical show provided entertainment and insight into Indian history.



Marriage, superstition, suspicion... Will the curse of a Manglik marriage claim another life? Netflix's new series is full of thrills.

A new series is coming to Netflix that explores the traditions surrounding Manglik marriages. The Manglik series is coming to OTT platforms and is releasing in three languages. The story revolves around the Manglik Dosh. You've likely heard about the Manglik Dosh many times, especially the obstacles faced in Manglik marriages. Now, a new series is coming on this topic. The series is titled Manglik. If you're looking for a thrilling and suspenseful series this week, you should definitely add Manglik to your watchlist. It's based on a superstition prevalent in society. The story of the Manglik series revolves around Ira (Soumitrisha Kundu), who falls in love with a widower who is said to be 'Manglik'. He has been married twice, and both wives have passed away. Ira marries him. Strange events begin to happen to her. Then, when she falls victim to a mysterious illness, she suspects something more serious than mere superstition. When will the Manglik series release? The mystery thriller Manglik stars Soumitrisha Kundu, Gaurav Chatterjee, and Laboni Sarkar. The series is directed by Krishanu Ganguly, who has previously directed TV shows like Mithai and Neem Phuler Modhu. The series will stream on the OTT platform Netflix starting November 20th. This Bengali series is being released on Netflix in Hindi, Telugu, and Tamil. Where will it stream in Bengali? Let us tell you that Manglik is a Bengali series that will stream on hoichoi in Bengali, while in Hindi, Tamil, and Telugu, you can watch the series on Netflix. The trailer for the Manglik series, released two weeks ago, was well-received, garnering nearly 2.7 million views. There is a lot of excitement among the audience about this series.



Will 'Banarakas' transform Phulera into America? The 'new Pradhan' gives a surprise before the release of the Panchayat 5 trailer.

Before the release of the trailer for the web series Panchayat Season 5, the makers have revealed a big secret. The trailer for Panchayat 5 will be released soon. The makers shared a special video: 'Banarakas will transform Phulera'. After the end of Panchayat 4, the Phulera Gram Panchayat got a new Pradhan in the form of Bankaras' wife Kranti Devi (Sunita Rajwar). Now, the new Pradhan's husband, Bankaras (Durgesh Kumar), is seen taking on the responsibility of transforming Phulera and preparing to transform his village into America. This is being said because before the release of the Panchayat Season 5 trailer, the makers have shared a new video of the series, in which the face of Phulera is seen changing. Banarakas will transform Phulera into a garden - Ever since the announcement of Panchayat Season 5, fans have been eagerly awaiting the release of this series. Meanwhile, the responsibility of promoting the series has been taken away from the Secretary (Jitendra Kumar) and placed squarely in the hands of the new Pradhan Pati, Banarakas, and he is handling it admirably. On Sunday, the makers announced the release date for the trailer of Panchayat 5. Based on this, the trailer for the upcoming web series, Panchayat Season 5, will be released on Monday, November 23rd, on the OTT platform Prime Video. The promo video shows how Banaras is transforming Phulera village and developing it in a new way. Whether Phulera will truly change will only be known after the OTT release of Panchayat 5 on Prime Video. But for now, Banarakas is firmly claiming that what Manju Devi's (Neena Gupta) Pradhan Pati (Brij Bhushan Dubey) and his gang failed to accomplish, Banarakas, as the new Pradhan Pati, will accomplish. When will Panchayat Season 5 arrive? Panchayat is known as one of India's most popular web series. The release date for the fifth season of this series, which has won the hearts of fans with its four seasons so far, has recently been announced. Panchayat 5 will stream online on the OTT platform Prime Video on December 3, 2026.

